

PAGE NO:05 BOTTOM

भारतीय संगीत और कला को संरक्षण का प्रयास

रिद्धिमा के दूसरे स्थापना दिवस पर धित्रकला प्रतियोगिता, नृत्य कला की वर्कशॉप आयोजित

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (8 Feb):

एसआरएमएस रिद्धिमा के दूसरे स्थापना दिवस पर संस्थापक देवमूर्ति ने प्रेरणालोक स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री समाजसेवी श्रीराम मूर्ति को घास किया। दूसरे स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रख्यात कथक नृत्यांगना कमलिनी ने रिद्धिमा से अपने लगाव की बात कही, कहा कि दुनिया के किसी भी देश में वो अपनी परफॉर्मेंस दे रही हैं, लेकिन उसमें बरेली जितना आनंद नहीं आता। इसकी बजह बरेली अपना शहर होना है, यहाँ रिद्धिमा जैसा स्तरीय संस्थान है जो भारतीय नृत्य और संगीत के प्रचार-प्रसार के साथ वादवर्यों को संरक्षित



● बेहतर प्रस्तुति देने वालों को हुआ सम्मान।

करने में अपना अमूल्य योगदान दे रहा है। इसके लिए संस्थान के संस्थापक देवमूर्ति बधाई के पात्र हैं, कला और संस्कृति के लिए उनका लगाव ही है, जो रिद्धिमा के रूप में साकार हुआ है, विश्वास है यह संस्थान विश्व में अपनी पहचान बनाने में कामयाब होगा। इस

मौके पर कमलिनी के लिए विश्वदीप शर्मा ने अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों को झूमने पर मजबूत कर दिया। यमन राग पर कथक के विद्यार्थियों ने भी प्रस्तुति दी। राग जोक पर रिद्धिमा के गायन और इंस्ट्रुमेंटल गुरुओं ने प्रस्तुति दी। स्थापना दिवस समारोह में

आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, कृत्ता मूर्ति, श्यामल गुप्ता, डॉ. रजनी अग्रवाल, सुरेश सुंदरानी, डॉ. एसबी गुप्ता, डॉ. आर्पी सिंह, एप्प मार्शल डॉ. एमएस भटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. सीएम चतुरेंदी, डॉ. रीटा शर्मा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता व डॉ. अनुज कुमार गहे,